आज का पुरुषार्थ 24 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज सबकुछ बाबा को अर्पण कर बंधन मुक्त हो जाये .. और फिर समर्पण भाव से जीवन जीने का भरपूर आनन्द ले "*

मनुष्य के अंदर लम्बे काल से मैं और मेरा पन गहराई तक समा गया है। उसकी जड़े बहुत गहरी हो गई है। और यह दोनों ही **आत्मा** पर बंधन डालती है। उनमें अनेकों विकारों की उत्पत्ति होती है।

काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, अभिमान यह सभी मनोविकार मनुष्य के अंदर बंधन पैदा करती है। हमें स्वतंत्र नहीं होने देते। और हमें तो स्वतंत्र होकर उड़ना है।

देख ले कौन-सा मेरा पन मुझे बांध रहा है? **मेरी** जिम्मेदारी, **मेरा** परिवार, **मेरा** बोझ, **मेरी** चिंतायें, **मेरा** नाम, **मेरी** निन्दा, **मेरी** महिमा यह सब मेरे पन के भिन्न भिन्न स्वरुप है।

कुछ POSITIVE है, कुछ NEGATIVE है। दोनों ही आत्मा पर बंधन डालती है। हम **तीव्र पुरुषार्थी** बनने के लिए, **श्रेष्ठ पुरुषार्थी** बनने के लिए एक बात पर विशेष चिन्तन करे ...

सबकुछ बाबा को **अर्पित** कर दे, परन्तु रहेगा तो मेरा ही। इसमें बहुत सुख मिलेगा और ऐसा भी मेहसूस नहीं होगा कि हम मेरे पन को छोड़कर कोई कष्ट पा रहे है!

हम सभी एक बात का बहुत अच्छा अभ्यास करे ....

" बाबा ही मेरा संसार है "

बाबा से ही हमें सुख प्यार और प्राप्तियाँ मिलता है। दुनिया में भी मिलते है परन्तु बाबा से हमें बहुत ज्यादा, हजारों करोड़ों गुणा ज्यादा मिलता है।

यह तो अल्पकालीन प्राप्तियाँ है। हमें तो अंदाज़ ही नहीं होगा सतयुग में हमारे पास क्या क्या होगा? हीरे मोती जवाहरातों से भरा हुआ संसार, जहाँ उनकी कोई कीमत ही नहीं है। **सम्पूर्ण सुख शान्ति से भरपूर संसार**।

जितने भी जगह लेकर अपना **महल** (palace) बना लो, कोई बंधन नहीं, कोई पूछताछ नहीं, ऐसा सुन्दर संसार बाबा हमें दे रहा है।

सबकुछ मुझे उनसे ही प्राप्त करना है। और यह मोह-ममता तो बहुत कष्ट पहुँचाने वाली है। इसलिए सोचे, जो कुछ मेरे पास है वह बाबा के देन है। तो .. जो कुछ हमारा है, जिसमें मेरापन रहता है, उसे बाबा को अर्पण कर दे।

" सब तुम्हारा .. बच्चे तुम्हारे है .. तुम अलौकिक बाप हो .. पारलौकिक बाप हो .. मेरे से ज्यादा जिम्मेवारी तुम्हारी है ..तुम ही इसे सम्भालों "

बहुत अच्छी तरह सम्भालेंगे बाबा यह तुम्हारी जिम्मेदारियां, चिंतायें सब प्रभु पर अर्पित कर दो।

तो आज सारा दिन हम समर्पण भाव से जीवन जियेंगे ...

" सबकुछ तेरा "

सूक्ष्म लोक में अपने को मेहसूस करेंगे और बाबा से आज बात करेंगे ...

" यह सबकुछ तेरा "

और बाबा से दृष्टि लेंगे, दृष्टि का सुख लेंगे और फ़ील करेंगे ...

" ब्रह्मा बाबा के तन में ज्ञान सूर्य बैठा है .. चमक रहे है .. उनकी तेजस्वी किरणें मुझ पर पड़ रही है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org